जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

20 सितंबर, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के प्रो. ऐश अमीन द्वारा "स्पेस / सब्जेक्ट: वर्नाक्यूलर ऑफ़ एंड्योरेंस इन डेल्हीज़ स्लम एंड स्ट्रीट्स" पर व्याख्यान

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के अंग्रेजी विभाग ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में भूगोल और स्वीडिश रिसर्च काउंसिल 2021 ओलोफ पाल्मे विजिटिंग चेयर, उप्साला विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ऐश अमीन द्वारा प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला, "स्पेस / सब्जेक्ट: वर्नाक्यूलर ऑफ एंड्योरेंस इन डेल्हीज़ स्लम्स एंड स्ट्रीट्स" के सातवें व्याख्यान का शुक्रवार, 17 सितंबर, 2021, शाम 6: 30-7: 30 PM IST जूम पर आयोजन किया। शैक्षिक एवं अनुसंधान प्रोन्नति सहयोग योजना (स्पार्क), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित, यह वार्ता अंग्रेजी और अमेरिकी अध्ययन विभाग, वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी के बीच चल रहे शैक्षणिक सहयोग के क्रम में आयोजित की गई, जोकि क्रमिक रूप से प्रासंगिक व्याख्यानों की एक श्रंखला के लिए प्रतिबद्ध है।

वार्ता का संचालन अंग्रेजी विभाग, जामिया की पीएच.डी शोधार्थी सुश्री श्रद्धा ए. सिंह, सुश्री ज़हरा रिज़वी और सुश्री सुमन भागचंदानी ने किया। जिसमें दुनिया भर से विभिन्न टाइम ज़ोन में कई विद्वानों, छात्रों और शिक्षकों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रो. सिमी मल्होत्रा, अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, जामिया, भारतीय पीआई ने स्वागत वक्तव्य दिया तथा आमंत्रित वक्ता, संकाय, विद्वानों और छात्रों का अभिवादन किया। उन्होंने अंग्रेजी विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया और अंग्रेजी और अमेरिकी अध्ययन विभाग, वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय के बीच चल रही सहयोगी परियोजना के क्रम में, शिक्षा मंत्रालय की पहल स्पार्क द्वारा समर्थित, शैक्षिक एवं अनुसंधान प्रोन्नति सहयोग योजना "न्यू टेरेन्स ऑफ़ कोंसियसनेस: ग्लोबलाइज़ेशन, सेंसरी एन्वायर्मेंट्स एंड लोकल कल्चर्स ऑफ़ नोलेज" के बारे में बात की जिसका उद्देश्य भारत और विदेशों में उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को सुविधाजनक बनाना है। इसके बाद उन्होंने सम्मानित वक्ता प्रो. ऐश अमीन का परिचय कराया, जिनका तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया गया।

प्रो. अमीन का व्याख्यान दिल्ली शहर में झुग्गियों और गलियों, जैसे कुसुमपुर पहाड़ी, यमुना पुश्ता, और अन्य के अध्ययन के माध्यम से मन और शरीर की पारस्परिकता पर केंद्रित था। कई वार्ताकारों के माध्यम से, प्रो. अमीन ने इन स्थानों के निवासियों की मानसिक स्वास्थ्य और आवास प्रथाओं के बीच संबंध स्थापित किया और उस पर ध्यान केंद्रित किया जिसे वे 'धीरज की स्थानीय भाषा' कहते हैं, जो कि बुनियादी ढांचे, पड़ोस का परिचय, सामाजिकता और समुदाय की कल्पनाएँ जैसे जीवन के कई पहलुओं पर आधारित है। अपने व्याख्यान के माध्यम से प्रो. अमीन ने इन स्थानों के निवासियों के लिए प्रशिक्षण के अवसर, चिकित्सा सुविधाएं और अन्य सहायक बुनियादी ढाँचे प्रदान करने में केयर इंडस्ट्री के महत्व पर भी जोर दिया।

इसके बाद सुश्री एन सुसान एलियस, पीएच.डी. द्वारा समन्वित एक प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया। अंग्रेजी विभाग, जामिया की शोधार्थी सुश्री साक्षी डोगरा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

दर्शकों की एक विस्तृत श्रृंखला और भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, इस कार्यक्रम को यू ट्यूब पर भी लाइव स्ट्रीम किया गया, जिसमें सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया